ONGC बिहार में कुआँ खोदेगी

चर्चा में क्यों?

तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ONGC) ने तेल एवं गैस के लिये बिहार में एक कुआँ खोदने की योजना बनाई है।

- **इस व्यावसायिक खोज के चलते बिहार** राज्य भारत के तेल मानचित्र पर आ जाएगा और **इससे बिहार से उत्तर प्रदेश तथा पंजाब तक फैले पूरे** गंगा बेसिन **में खोज का मार्ग प्रशस्त होगा।**

मुख्य बिंदु:

- कंपनी ने **समस्तीपुर में अपने ब्लॉक हेतु 300 वर्ग किमी. के लिये 3D भूकंपीय डेटा हासिल कर लिया है** और दो खोजपूर्ण कुओं को ड्रिल करने के लिये तैयार है।
  - पहली ड्रिलिंग वर्ष 2024 में की जाएगी।
  - इसके अलावा, तेल और गैस उत्पादक ने उत्तर प्रदेश के **बलिया में गंगा बेसिन** के एक अन्य ब्लॉक में एक खोजपूर्ण कुआँ खोदने की भी योजना बनाई है।
- पहले कुएँ की ड्रिलिंग का डेटा दूसरे कुएँ की ड्रिलिंग सहित बाकी अन्वेषण ब्लॉक के लिये कंपनी की योजनाओं को निर्देशित करने में सहायता करेगा।
  - समस्तीपुर और बलिया में दोनों ब्लॉक कुछ वर्ष पहले चौथे ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (OALP) दौर में प्राप्त किये गए थे।

तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम(ONGC)

- यह भारत सरकार का एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU) है।
- इसकी **स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी** तथा यह **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय** के अधीन है।
- यह भारत की सबसे बड़ी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस कंपनी है, जो **भारतीय घरेलू उत्पादन में लगभग 70% योगदान देती है।**

गंगा बेसिन

- गंगा की जलधारा जिसे **'भागीरथी'** कहा जाता है**, गंगोत्री ग्लेशियर से पोषित होती है** और उत्तराखंड के देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलती है।
- हरिद्वार में **गंगा पहाड़ों से निकलकर मैदानी इलाकों** की ओर आती है।
- गंगा में हिमालय से कई सहायक नदियाँ मिलती हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख नदियाँ हैं जैसे कि यमुना, घाघरा, गंडक और कोसी।

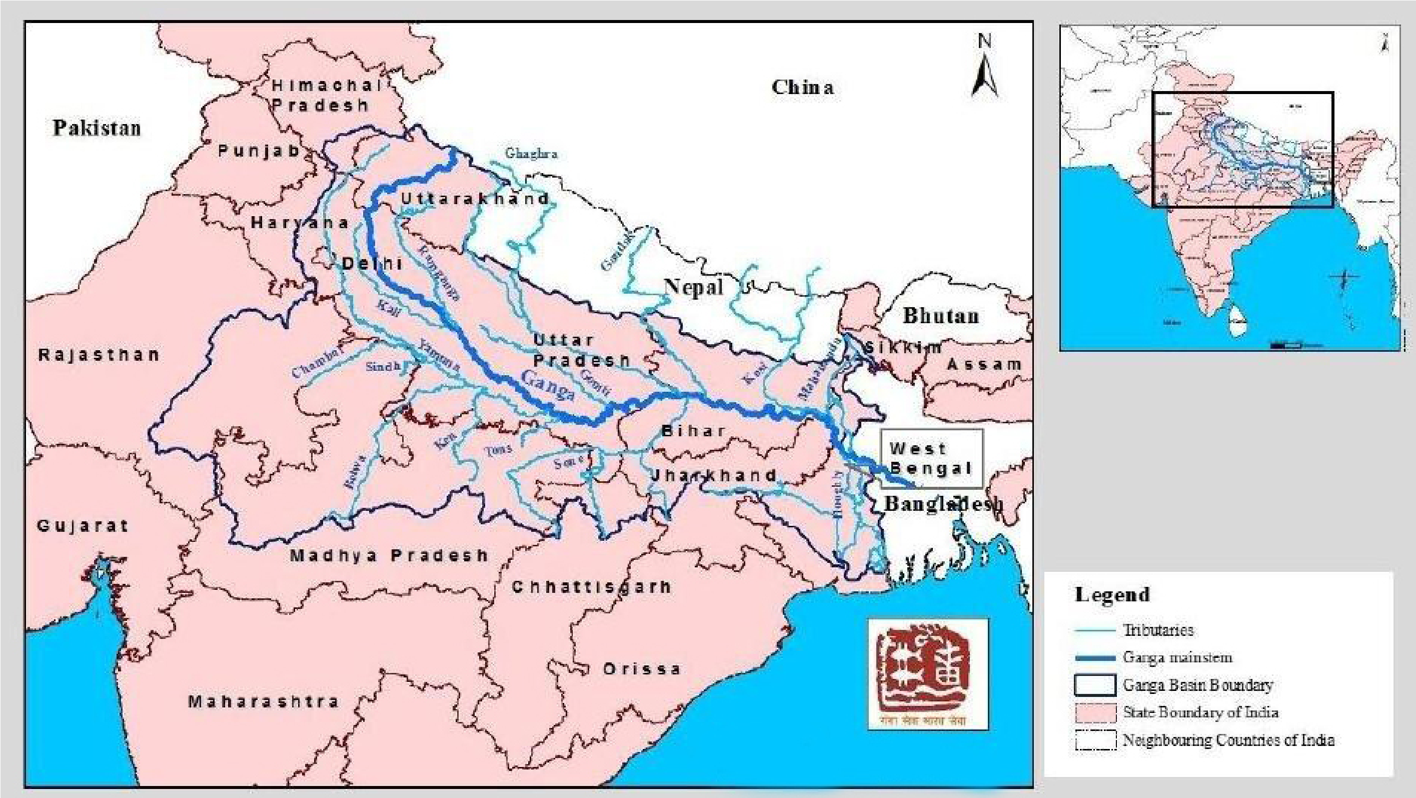

[//](//)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ongc-to-drill-well-in-bihar